नमस्ते नाथ अविनाशी तुम्हे मस्तक नवाते है लिरिक्स

नमस्ते नाथ अविनाशी,
तुम्हे मस्तक नवाते है,
तुम्हारे ध्यान चिंतन में,
सभी आनंद पाते है,
नमस्तें नाथ अविनाशी,
तुम्हे मस्तक नवाते है।bd।

तर्ज – लगन तुमसे।

तुम्ही सर्वेश स्वामी हो,
तुम्ही भू हो भुवस्व : हो,
हृदय के तार हिलते है,
तभी हम गीत गाते है,
नमस्तें नाथ अविनाशी,
तुम्हे मस्तक नवाते है।bd।

तुम्ही जल में तुम्ही थल में,
नभोमंडल में व्यापक हो,
तुम्हारे विरुद वर्णन में,
ये पक्षी चह चहाते है,
नमस्तें नाथ अविनाशी,
तुम्हे मस्तक नवाते है।bd।

मिलेगी आज अनुभूति,
हृदय में देव दर्शन की,
अत: हम भक्ति पुष्पों से,
हृदय मंदिर सजाते है,
नमस्तें नाथ अविनाशी,
तुम्हे मस्तक नवाते है।bd।

नमस्ते नाथ अविनाशी,
तुम्हे मस्तक नवाते है,
तुम्हारे ध्यान चिंतन में,
सभी आनंद पाते है,
नमस्ते नाथ अविनाशी,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

तुम्हे मस्तक नवाते है।bd।

गायक – धीरज कांत जी।
प्रेषक – अंकित पाटीदार।
9302459834

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com